कोटा और बूंदी में केन्द्रीय सड़क एवं अवसंरचना निधि (सी.आर.आई.एफ.) से स्वीकृत सड़कों के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम में माननीय अध्यक्ष का सम्बोधन बिन्दु

कोटा और बून्दी जिले में केन्द्रीय सड़क एवं अवसरंचना निधि – (सीआरआईएफ)- द्वारा सड़कों के शिलान्यास और लोकार्पण पर मैं आप सभी को हार्दिक बधाई देता हूँ। पिछले 9 वर्षों में कोटा और बूंदी में कुल मिलाकर करीब 713 करोड़ रुपए की सड़कों का निर्माण सीआरआई फंड से हुआ है।

इन सड़कों के निर्माण से क्षेत्र की जनता को सुविधा हुई है। गाँवों और कस्बों में कनेक्टिविटी बढ़ी है। गाँव के लोगों का शहर में आना-जाना आसान हुआ है। इन सड़कों के निर्माण से हमारे गांवो के बुनियादी ढांचे का विकास हुआ है।

आज बूंदी ज़िले में 183 करोड़ रु. की लागत पर तीन सड़कों का शिलान्यास हो रहा है।

अरनेठा से झालीजी का बराना तक सड़क; जोकि जयस्थल और करवाला की झोपड़िया से गुजरेगी।

इसी तरह बांसी से इन्द्रगढ़ तक; जोकि देई, खजूरी, पीपरवाला और करवर होते हुए तैयार होगी।

तीसरी सड़क भैरूपुरा ओझा से होकर रोटेदा तक तैयार होगी।

आज कोटा में भी सुकेत से रामगंजमण्डी और चेचट से अलोद तक लगभग 50 करोड़ रुपए की लागत राशि से तैयार हुई 2 सड़कों का लोकार्पण होने जा रहा है। इसी के साथ कोटा में गुमानपुरा से बडोदिया कलां तक की सड़क का शिलान्यास आज हुआ है।

इन सभी सड़कों के निर्माण से आने वाले समय में स्कूल, कॉलेज जाने वाले छात्र-छात्राओं को सुविधा होगी।

कोटा – बूंदी के हमारे किसान; जो अपनी फसल को बेचने के लिए गाँव से बाहर मंडी तक जाते हैं; मेरे उन किसान भाइयों-बहनों को सुविधा होगी।

इन्फ्रास्ट्रक्चर और सड़क का निर्माण आम जनजीवन से सीधे तौर पर जुड़ा होता है। जब किसी गाँव तक सड़क जाती है, तो उस गाँव की बच्चियों को, वहाँ के युवाओं को पढ़ने के लिए कॉलेज, यूनिवर्सिटी जाने में सुविधा होती है।

जब कोई गाँव हाईवे से कनेक्ट होता है तो वहाँ शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा की पहुँच आसान होती है।

सड़क का निर्माण सिर्फ़ अवसंरचना का विकास नहीं है, बल्कि यह कई जीवन का विकास है।

चाहे इंटरनेट हो या सड़क,.... कनेक्टिविटी हमेशा प्रोस्पेरिटी लाती है। जब हमारे यहाँ अच्छी पक्की सड़क होगी, तो यहाँ सरकारी योजनाओं की पहुँच बढ़ेगी, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, पर्यटन का विकास होगा। समृद्धि आएगी।

देश और दुनिया का कोई भी क्षेत्र हो, जो कोई इंडस्ट्री हब है, एजुकेशन हब है, मेडिकल हब है, पर्यटन का केंद्र है..... उन क्षेत्रों में हम देखते हैं कि उनकी वो पहचान बेहतर कनेक्टिविटी के चलते संभव हुई है। बेहतर संपर्क व्यवस्था से उद्योगों का विकास होता है, व्यापारी समृद्ध होते हैं, किसान सम्पन्न होते हैं।

कोटा और बूंदी के आम जनजीवन में किस तरह सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है, यहाँ किस तरह इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास हो, किस तरह यहाँ युवाओं की तरक्की हो, हमारे किसानों को उनकी मेहनत का पूरा दाम मिले, बालक-बालिकाओं को उच्च शिक्षा मिले, माता-बहनों-बुजुर्गों और हर जन को उन्नत इलाज मिले; इस दिशा में मेरा प्रयास रहता है।

मुझे पूरा विश्वास है कि आज कोटा और बूंदी में सड़क निर्माण के इन प्रोजेक्ट्स से हमारे क्षेत्र का विकास तो होगा ही, इसी के साथ गाँव – कस्बों के जन-जन का जीवन भी सुगम होगा। इसी विश्वास के साथ आप सब को बहुत बहुत शुभकामनाएं।